अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में रौनक बिखेरेंगे झाँसी के टेडी-बेयर

- कलस्टर और टॉय पार्क बनाकर खिलौना उद्यमियों को किया जाएगा प्रोत्साहित

- चित्रकूट की लकड़ी से बने खिलौनों को भी मिलेगा इण्टरनैशनल मार्केट

झाँसी : झाँसी में बने खिलौने अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में छाने को तैयार हैं। विदेशों में बढ़ती झाँसी के टेडी-बेयर की माँग को पंख देने के लिए सरकार ने यहाँ खिलौना कलस्टर बनाने का फैसला किया है। इसके लिए झाँसी और चित्रकूट में 33 से 100 एकड़ क्षेत्रफल में टॉय पार्क बनाया जाएगा, जहाँ ओटीओपी (एक जनपद-एक उत्पाद) के तहत उद्यमियों को फैक्ट्रि बनाने के लिए भूखण्ड दिए जाएंगे।

खिलौना मार्केट पर अभी चीन का कब्जा है, और इसे चुनौती देने के लिए केन्द्र सरकार ने भारत के उन जिलों को चुना है, जहाँ खिलौनों का निर्माण वृहद पैमाने पर होता है। झाँसी भी इसमें शामिल है। यहाँ टेडी-बेयर निर्माण के लिए 200 से अधिक महिला उद्यमी सक्रिय हैं। इन्होंने कौशल विकास योजना के तहत बाकायदा प्रशिक्षण लिया है और उद्योग केन्द्र के माध्यम से ऋण लेकर इकाइयाँ स्थापित की हैं। भारत सरकार के नए नैशनल ऐक्शन प्लैन में क्लस्टर विकास के साथ कौशल विकास और ईको सिस्टम तैयार किया जाएगा, जहाँ उच्च गुणवत्तायुक्त, इनोवेटिव और ईको फ्रेण्डली खिलौनों का निर्माण होगा। झाँसी में विशेषकर मल्टिकलर खिलौने बनाए जाएंगे, जबकि चित्रकूट में लकड़ी के खिलौनों की फैक्ट्रीज खोली जाएंगी।

वर्तमान में चित्रकूट के खिलौनों की मेलों में बेहद माँग रहती है, लेकिन चीन के खिलौने आने से इनकी माँग निरन्तर गिरती जा रही है। दूसरी ओर झाँसी में एक्रेथिक क्लॉथ, फर आदि से बनने वाले टेडी-बेयर देशभर में बिक्री के लिए जा रहे हैं। इसे प्रदेश सरकार ने ओडीओपी में भी जगह दी है और रेलवे स्टेशन पर विशेष स्टॉल आवण्टित किया है। ओडीओपी से जुड़ी महिला समूह की सदस्य रागिनी राजपूत ने बताया कि खिलौना कलस्टर बनने से यहाँ के खिलौना बाजार का विकास होगा और उद्यमियों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मिल सकेगा।